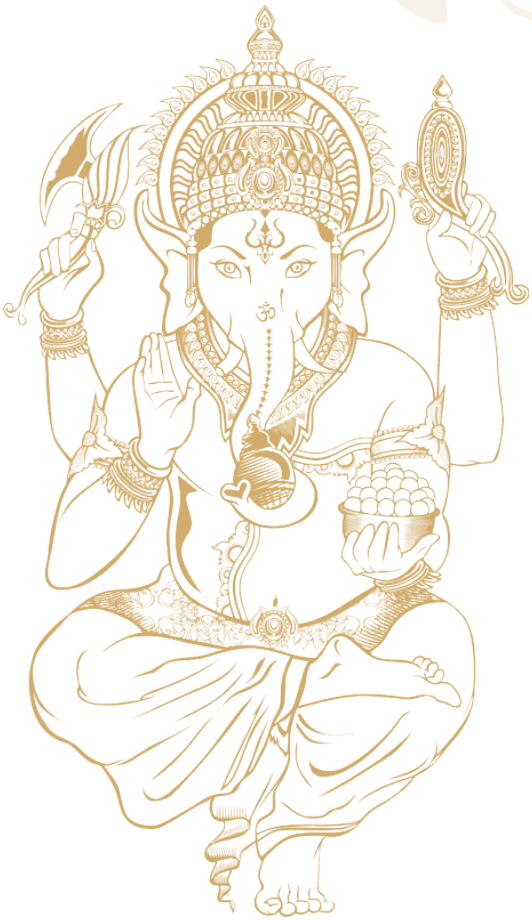

Chi.Ashutosh Sahu

Ms.Divya Sahu

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119832401

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119832401 Date: 19/10/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/07/1993	जन्म तिथि	19/10/1996
शनिवार	दिन	शनिवार
घंटे 13:20:00	जन्म समय	19:30:00 घंटे
घटी 19:22:46	जन्म समय(घटी)	33:43:37 घटी
India	देश	India
Dhamtari	स्थान	Dhamtari
20:43:00 उत्तर	अक्षांश	20:43:00 उत्तर
81:36:00 पूर्व	रेखांश	81:36:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:03:36	स्थानिक संस्कार	-00:03:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:34:53	सूर्योदय	06:00:33
18:44:57	सूर्यास्त	17:36:25
23:46:19	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:45
तुला	लग्न	वृष
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
कन्या	राशि	मकर
बुध	राशि-स्वामी	शनि
हस्त	नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
2	चरण	2
शिव	योग	सुकर्मा
कौलव	करण	विष्टि
ष-षडबली	जन्म नामाक्षर	भो-भोली
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
वैश्य	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	जलचर
महिष	योनि	नकुल
देव	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मेष	वर्ग	मूषक

PT.AMITABH SHARMA
SHREEDEO PANCHANG JYOTISH KARYALAYA NAYAPARA RAIPUR, CHHATTISGARH 402001
94244 10023, 62632 74669
ammupatni66@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 7वर्ष 3मा 26दि		23:14:24	तुला	लग्न	वृष	06:16:12	सूर्य 4वर्ष 3मा 29दि	
राहु		07:39:37	कर्क	सूर्य	तुला	02:39:06	राहु	
20/11/2007		13:34:09	कन्या	चंद्र	मक	00:22:37	17/02/2018	
19/11/2025		24:37:48	सिंह	मंगल	सिंह	00:07:59	18/02/2036	
राहु	02/08/2010	24:29:19	मिथु व	बुध	कन्या	23:30:36	राहु	30/10/2020
गुरु	25/12/2012	14:53:04	कन्या	गुरु	धनु	17:11:23	गुरु	26/03/2023
शनि	01/11/2015	26:26:39	वृष	शुक्र	सिंह	24:18:34	शनि	30/01/2026
बुध	21/05/2018	05:04:26	कुंभ व	शनि व	मीन	08:27:26	बुध	18/08/2028
केतु	08/06/2019	17:07:54	वृश्चि व	राहु व	कन्या	14:03:46	केतु	06/09/2029
शुक्र	08/06/2022	17:07:54	वृष व	केतु व	मीन	14:03:46	शुक्र	06/09/2032
सूर्य	03/05/2023	25:58:04	धनु व	हर्ष	मक	06:52:06	सूर्य	31/07/2033
चन्द्र	01/11/2024	25:40:01	धनु व	नेप	मक	01:12:39	चन्द्र	30/01/2035
मंगल	19/11/2025	28:58:26	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	07:48:39	मंगल	18/02/2036

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:46:19 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:45

लग्न-चलित

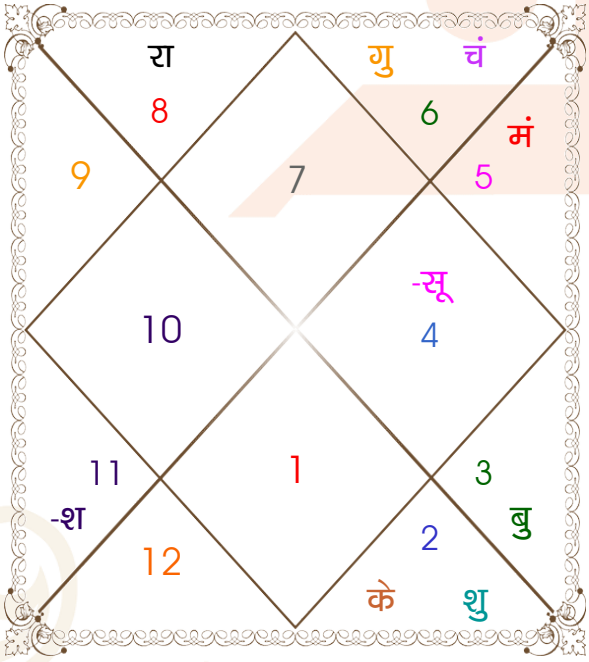

लग्न-चलित

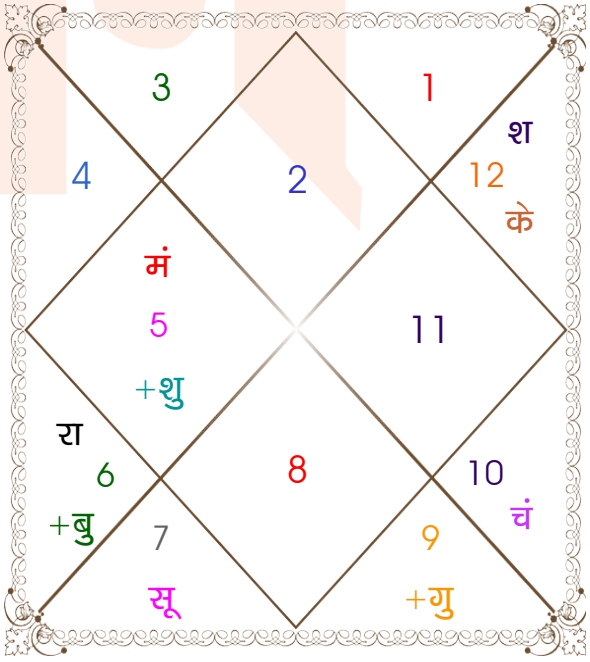

PT.AMITABH SHARMA
SHREEDEO PANCHANG JYOTISH KARYALAYA NAYAPARA RAIPUR, CHHATTISGARH 402001
94244 10023, 62632 74669
ammupatni66@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शनि	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

कुल : **25 / 36**

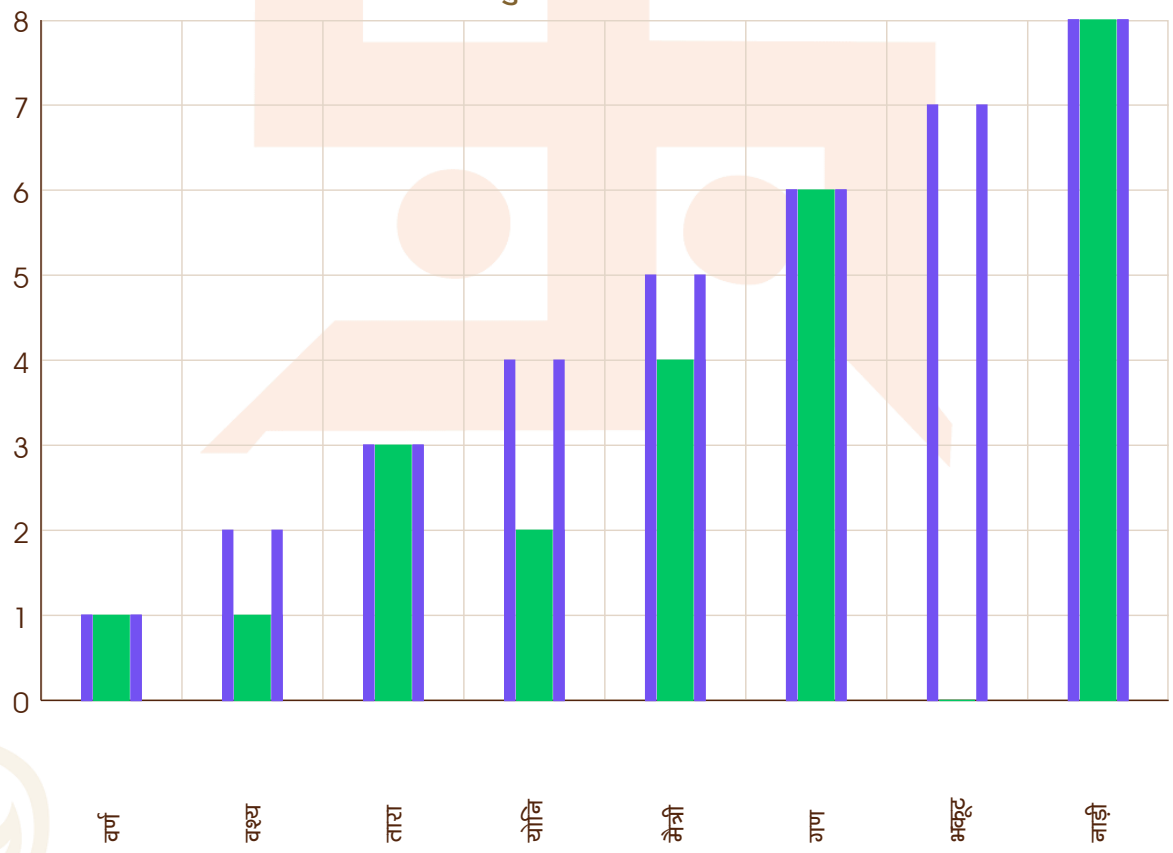

PT.AMITABH SHARMA
SHREEDEO PANCHANG JYOTISH KARYALAYA NAYAPARA RAIPUR, CHHATTISGARH 402001
94244 10023, 62632 74669
ammupatni66@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Chi.Ashutosh Sahu का वर्ग मेष है तथा Ms.Divya Sahu का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Chi.Ashutosh Sahu और Ms.Divya Sahu का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Chi.Ashutosh Sahu मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ms.Divya Sahu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Chi.Ashutosh Sahu कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Chi.Ashutosh Sahu तथा Ms.Divya Sahu में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Chi.Ashutosh Sahu का वर्ण वैश्य है तथा Ms.Divya Sahu का वर्ण भी वैश्य है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इसके कारण Chi.Ashutosh Sahu और Ms.Divya Sahu दोनों की सोच भौतिकवादी सोच होगी तथा रूपये-पैसे को ज्यादा महत्व देंगे। Chi.Ashutosh Sahu और Ms.Divya Sahu दोनों मितव्ययी होंगे तथा भविष्य के लिए धन का संचय करना पसन्द करेंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान कर तथा आपस में विचार-विमर्श करके ही बुद्धिमत्तापूर्वक निवेश करेंगे।

वश्य

Chi.Ashutosh Sahu का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms.Divya Sahu का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप Chi.Ashutosh Sahu एवं Ms.Divya Sahu दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। Ms.Divya Sahu अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में Chi.Ashutosh Sahu अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

Chi.Ashutosh Sahu की तारा सम्पत तथा Ms.Divya Sahu की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से Chi.Ashutosh Sahu एवं Ms.Divya Sahu दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। Ms.Divya Sahu एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

Chi.Ashutosh Sahu की योनि महिष है तथा Ms.Divya Sahu की योनि नकुल है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध

संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Chi.Ashutosh Sahu का राशि स्वामी Ms.Divya Sahu के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Ms.Divya Sahu का राशिस्वामी Chi.Ashutosh Sahu के राशिस्वामी के साथ मित्रता का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए सम हों किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को अपना मित्र मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

Chi.Ashutosh Sahu का गण देव तथा Ms.Divya Sahu का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Ms.Divya Sahu अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

Chi.Ashutosh Sahu से Ms.Divya Sahu की राशि पंचम भाव में स्थित है तथा Ms.Divya Sahu से Chi.Ashutosh Sahu की राशि नवम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान

नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। दोनों के राशि स्वामियों में परस्पर मित्र होने के कारण नवम-पंचम दोष का परिहार होने के कारण विवाह को स्वीकृति प्रदान की जा सकती है किंतु भकूट मिलान में इसे 0 अंक/गुण प्रदान किया जायेगा। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े होते रह सकते हैं। जिसके कारण Ms.Divya Sahu को संतानोत्पत्ति में भी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

नाड़ी

Chi.Ashutosh Sahu की नाड़ी आद्य है तथा Ms.Divya Sahu की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। Chi.Ashutosh Sahu की आद्य नाड़ी तथा Ms.Divya Sahu की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Chi.Ashutosh Sahu की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या तथा Ms.Divya Sahu की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त मकर है। अतः दोनों का पृथ्वी तत्व होने के कारण स्वभावगत समानताएं रहेंगी जिससे दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा फलतः मिलान उत्तम रहेगा ।

Chi.Ashutosh Sahu की राशि का स्वामी बुध तथा Ms.Divya Sahu की राशि का स्वामी शनि दोनों परस्पर मित्र तथा सम राशि में स्थित है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति उत्तम रहेगी। इसके प्रभाव से Chi.Ashutosh Sahu और Ms.Divya Sahu का परस्पर प्रेम सहयोग तथा समर्पण का भाव होगा तथा एक दूसरे के सुख दुख में पूर्ण ध्यान रखकर अपनी सहृदयता का परिचय देंगे। साथ ही परस्पर समर्पण का भाव भी विद्यमान होगा। जिससे वैवाहिक जीवन की शुभता बनी रहेगी।

Chi.Ashutosh Sahu और Ms.Divya Sahu की राशियां परस्पर पंचम नवम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार इसे भकूट दोष माना गया है। इसके प्रभाव से यदा कदा Chi.Ashutosh Sahu और Ms.Divya Sahu के मध्य अनावश्यक मतभेद एवं विवाद उत्पन्न होंगे तथा अहंकार के भाव की प्रबलता के कारण संबधों में तनाव तथा कटुता का भाव उत्पन्न होगा। अतः यदि Chi.Ashutosh Sahu और Ms.Divya Sahu परस्पर सामंजस्य का भाव बनाएं रखें तथा अभिमानी प्रवृतियों का त्याग करें तो जीवन सुखमय हो सकता है।

Chi.Ashutosh Sahu का वश्य मानव एवं Ms.Divya Sahu का वश्य जलचर है। मानव एवं जलचर में नैसर्गिक शत्रुता तथा विषमता का भाव विद्यमान रहता है। अतः Chi.Ashutosh Sahu और Ms.Divya Sahu की अभिरूचियों में असमानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर भी आवश्यकताएं अलग अलग होगी फलतः दाम्पत्य संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे।

Chi.Ashutosh Sahu और Ms.Divya Sahu दोनों का वर्ण वैश्य है। अतः दोनों की कार्य क्षमता समान रहेगी तथा धनार्जन के प्रति रूचिशील रहेंगे। साथ ही अपने समस्त कार्यो को वणिक बुद्धि से सम्पन्न करेंगे।

धन

Chi.Ashutosh Sahu की तारा सम्पत तथा Ms.Divya Sahu की तारा अतिमित्र है इसके शुभ प्रभाव से Chi.Ashutosh Sahu सौभाग्यशाली तथा धनवान व्यक्ति होंगे तथा Ms.Divya Sahu के भाग्य से उनकी धन सम्पति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का उनकी आर्थिक स्थिति पर सामान्य प्रभाव रहेगा तथा उससे आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। साथ ही मंगल का भी आर्थिक क्षेत्र पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार वे ऐश्वर्य एवं समृद्धि से युक्त होंगे तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Chi.Ashutosh Sahu और Ms.Divya Sahu को अनायास धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना रहेगी तथा जीवन में वे समस्त भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। विशेष रूप से Ms.Divya Sahu का शुभ प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर रहेगा तथा सामाजिक स्तर पर भी उनका पूर्ण सम्मान रहेगा।

स्वास्थ्य

Chi.Ashutosh Sahu का जन्म आद्य तथा Ms.Divya Sahu का जन्म अन्त्य नाड़ी में हुआ है। अतः ये दोनों नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे लेकिन मंगल का Chi.Ashutosh Sahu के स्वास्थ्य पर शुभ प्रभाव नहीं होगा। अतः इससे वे रक्त या पित संबंधी रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही गुप्त रोगों की भी संभावना होगी एवं संभोग शक्ति में कमी के कारण दाम्पत्य जीवन में कलह तथा अशांति रहेगी। अतः उपरोक्त अशुभ फलों में न्यूनता करने के लिए Chi.Ashutosh Sahu को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार का उपवास भी करना चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से Chi.Ashutosh Sahu और Ms.Divya Sahu का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Ms.Divya Sahu के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Ms.Divya Sahu को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

Chi.Ashutosh Sahu और Ms.Divya Sahu बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः Chi.Ashutosh Sahu और Ms.Divya Sahu का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.Divya Sahu तथा उसकी सास के परस्पर संबध अच्छे नहीं रहेंगे। आयु में अधिक अन्तर होने के कारण इनके गहन मतभेद रहेंगे। लेकिन अन्य कोई भी समस्या इतनी गंभीर नहीं होगी जिनका कोई समाधान न हो। अतः यदि Ms.Divya Sahu धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक

सामंजस्यशील प्रवृति का अनुसरण करें तो सास से संबधों में अनुकूलता आ सकती है। अतः अपनी ओर से उन्हें उनकी पूर्ण रूप से सेवा तथा सुख सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

ससुर के साथ Ms.Divya Sahu के संबध मधुर रहेंगे तथा अपने विनम्र व्यवहार सम्मान की भावना तथा सेवा की प्रवृति से उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में प्रसन्न रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में प्रतिकूलता रहेगी तथा आपस में ईर्ष्या, प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार Ms.Divya Sahu का ससुराल में समय सामान्य रूप से ही व्यतीत होगा तथा अन्य जनों को अपनी ओर से सन्तुष्ट रखने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुराल-श्री

Chi.Ashutosh Sahu के अपनी सास से सामान्य संबध रहेंगे। वह अपनी ओर से उन्हें पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा के प्रति भी तत्पर रहेंगे। इनके मध्य कोई विशेष मतभेद नहीं रहेंगे तथा Chi.Ashutosh Sahu अवसरानुकूल सपत्नीक से मिलने जाया करेंगे जिससे संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी।

ससुर के प्रति भी Chi.Ashutosh Sahu का आदर तथा सेवा का भाव रहेगा तथा वे भी इनको पूर्ण स्नेह तथा सहानुभूति प्रदान करेंगे साथ ही ससुर भी समय समय पर महत्वपूर्ण मामलों में Chi.Ashutosh Sahu का दिग्दर्शन करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों के साथ संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मतभेद एवं तनाव की बहुलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति प्रतिद्वन्दिता तथा ईर्ष्या का भी भाव रहेगा। लेकिन यदि Chi.Ashutosh Sahu तथा वे आपस में सामंजस्य रखें तो संबधों में अनुकूलता आ सकती है। इस प्रकार ससुराल में Chi.Ashutosh Sahu के संबध सामान्यतया अच्छे ही रहेंगे।